विद्या भारती द्वारा निर्धारित
सत्र 2023-24 हेतु वार्षिक गीत
माध्यमिक कक्षाओं हेतु

जग में सुन्दर देश हमारा, इसकी छटा है सबसे प्यारी।
वीर भूमि यह धीर भूमि यह, इसकी महिमा सबसे न्यारी।।

1. ईश्वर मानव बनकर आये, राम-कृष्ण का रूप बनाये
धर्म स्थापना करने जग में, सुन्दर-सुन्दर खेल रचाये
उनके कामों की सुगन्ध से, महकी धरती की हर क्यारी।।
जग में सुन्दर.....

2. गौरवशाली गाथा अपनी, मातृभूमि हित मर मिट जायें
विनय शीलता साहस हम में धैर्य पराक्रम को अपनायें
वन्दनीय है पूजनीय है भारत भूमि हमारी।।
जग में सुन्दर.....

3. वीर शिवा, राणा, सुभाष और भगत सिंह से बलिदानी
सीता, सावित्री, माँ दुर्गा, लक्ष्मीबाई मर्दानी
भारत माता की जय-जय हो बोले दुनिया सारी।।
जग में सुन्दर.....

रचनाकार
श्री रूपकिशोर शर्मा
संगीत संयोजक, ब्रज प्रान्त
पश्चिम उ0प्र0 क्षेत्र
मोबाइल- 9412406172,
9568979559